सफलता की कहानी

कम्पोजिट नर्सरी से भरे धान भंडार

ग्राम बबलिया माल
ग्राम पंचायत बबलिया
तह.निवास जिला मंडला (म.प्र.)

मैं कृषक गुलाव सिंह पिता पोटू ग्राम बबलिया मेरे पास कुल रकवा 0.80 हे. है। जिसमें पूर्व में देशी धान की देशी पद्धति से बोनी करता था जिसमें खाने के लिये पर्याप्त अनाज भी नहीं होता था और शेष भूमि में कोदो कुटकी आदि अनाज बोया करता था परन्तु हमें साल भर अनाज की कमी बनी रहती थी। इस कारण हमें उधारी (कर्ज) लेकर जीवन यापन करना पड़ता था परन्तु हमें सन् 2003 में कृषि विभाग से संपर्क किया तो ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी आर.सी. प्रजापति के द्वारा हमें योजनओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मैंने विभाग की सलाह पर अपनी भूमि में बलराम ताल खुदवाया, जिससे मैं सिंचाई करता हूॅ। और मछली पालन भी करता हूॅ। सिंचाई के लिये पाईप तथा पंप सेट आदि कृषि विभाग से मेरे को अनुदान दिया गया है। आर.के.व्ही.वाय. योजना से कम्पोजिट नर्सरी स्थापित की। तथा धान की एस.आर.आई. पद्धिति से खेती कर रहा हूॅ तब से धान की भरपूर्व पैदावारी मिल रही है। तथा साल भर के लिये अनाज व पैसों के लिये कर्ज लेना नहीं पड़ता है। ग्रीष्म ऋतु में मूंग, उड़द की बोनी भी करता हूॅ। इसी वर्ष 2015–16 मे स्वराज ट्रेक्टर खरीदा हूॅ। विभागीय योजनाओं से मेरे जीवन में परिर्वतन आया है। अतः पहले से ज्यादा खुश हूॅ। मेरी वार्षिक आमदानी बढ़गई है भविष्य में भी अपने बच्चों को शहर के अच्छे स्कूल में पढ़ाऊंगा।

(गुलाब सिंह/पिता पोटू)